

## म्हारे काग आंगने

म्हारे काग आंगणे बोले हेली , गुरु मिलण की आस,  
गुरु मिलण की आस , म्हारे राम मिलण आस,  
म्हारे काग आंगणे.....

इंदर अखाड़े आया हेली , बादल घटा छाया,  
जैसे मेरा सतगुरु आया , बिजली के प्रकाश,  
म्हारे काग आंगणे.....

झरमर मियो बरसे , यू सबको जीवडो हर्षे,  
ज्ञानी जीव तो सतगुरु परसे , मूर्ख फिरे उदास,  
म्हारे काग आंगणे.....

सतगुरु शब्द सुनावे हेली , समज्या सेन लिखावे,  
ज्याका जन्म मरण मिट जावे जी , रहे गुरु का दास,  
म्हारे काग आंगणे.....

गोकुल स्वामी सतगुरु दाता , गणी करू अरदास,  
लादूदास दर्शन मन भावे जी , चरण कमल में वास,  
म्हारे काग आंगणे.....

प्रजापति म्यूजिकल ग्रुप भीलवाड़ा (राज.) 89479-15979  
( चम्पा लाल प्रजापति )

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/5988/title/mahare-kaag-angane-bole-heli-guru-milan-ki-aas>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |